Sunrise University
Approved by Govt. of Rajasthan vide Sunrise University Act, 2011
Recognized by UGC Act, 1956 u/s 2 (f)

B.A. (Additional) संस्कृत

1st Semester

PAPER CODE	PAPER NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
BAAS101	पद्य साहित्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व, व्याकरण एवं अलंकार	40	60	100
BAAS102	नाटक, कथा–साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण	40	60	100
Total		**80**	**120**	**200**

2nd Semester

PAPER CODE	PAPER NAME	INTERNAL	EXTERNAL	TOTAL
BAAS201	वैदिक साहित्य, गद्यसाहित्य, अनुवाद	40	60	100
BAAS202	काव्य, गद्य, व्याकरण एवं निबन्ध	40	60	100
Total		**80**	**120**	**200**

Syllabus

1st Semester

प्रथम प्रश्न पत्र– पद्य साहित्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व, व्याकरण एवं अलंकार

इकाई 1. रघुवंशम् 'द्वितीय सर्ग'
इकाई 2. कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग'
इकाई 3. भारतीय–संस्कृति के तत्त्व–पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, वर्ण एवं आश्रम व्यवस्था, षोड़श संस्कार, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण, प्राचीन भारत के प्रमुख f" ाक्षा केन्द्र, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
इकाई 4. व्याकरण – शब्दरूप, धातुरूप
इकाई 5. अलंकार

विस्तृत पाठ्यक्रम्

इकाई 4

शब्दरूप – राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्,
इदम्, अस्मद् तथा युष्मद्।

धातुरूप – (लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् तथा लृट्लकार में) पठ् ,पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, चुर्, लभ् तथा सेव् धातु।

इकाई 5

अलंकार – काव्य–दीपिका (अष्टम शिखा)

(भेदोपभेद–रहित निम्नांकित अलंकार) : अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, मालोपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दीपक, तुल्ययोगिता, अपह्नुति, दृष्टान्त एवं समासोक्ति।

विशेष निर्देश

पथम इकाई रघुवंशम् से दो श्लोकों में से एक की सप्रसङ्ग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। चतुर्थ इकाई से पाँच शब्द रूप एवं धातु रूप, विशेष विभक्ति एवं पुरुष में पूछे जावेगें। पंचम् इकाई से चार में से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। शेष इकाइयों से संबंधित सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) – कालिदास – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
2. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) – गोपाल रघुनाथ – मोतीलाल
3. रघुवंशम् महाकाव्यम – संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित डा. जगन्नारायण पाण्डेय
4. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)
5. कालिदास ग्रंथावली
6. संस्कृत–कवि–दर्शन – पं भोलाशंकर व्यास।
7. कालिदास परिशीलन – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी,
8. भारत की संस्कृति व साधना – डॉ. रामजी उपाध्याय।
9. भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
10. भारतीय संस्कृति – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
11. भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
12. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
13. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ रामनारायण झा
14. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ यशवन्त कुमार जोभाो
15. प्राचीन भारतीय सस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी

Syllabus

द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक, कथा–साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)
2. हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)
4. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरणम्
5. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – अजन्त प्रकरण –
   (राम, हरि, लता, नदी, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूप सिद्धि)

विशेष निर्देश

खण्ड – ब

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम् के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग संस्कृत व्याख्या।
2. तृतीय इकाई में से प्रश्न संख्या 6 एवं 7 म पाँच पाँच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करना है। प्रश्न सं. 6 तथा 7 में से 1 प्रश्न करना है।
3. इकाई चतुर्थ में संज्ञा प्रकरण पारिभाषिक शब्द, संज्ञा सूत्र और प्रत्याहार विकल्प सहित चार अंको की एवं संधि प्रकरण से 4 में से 2 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूप सिद्धि 6 अंकों की पूछी जायेगी।
4. पंचम इकाई में अजन्त नामिक प्रकरण में 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की व्याख्या पूछी जायेगी।
5. द्वितीय इकाई से सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 12 का अंक विभाजन इस प्रकार से होगा।

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या।
2. द्वितीय इकाई में हितापदेश (मित्रलाभ) में से दो पद्यों में से एक पद्य की तथा दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसङ्ग व्याख्या।

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रन्थ

1. स्वप्नवासवदत्तम् – जयपाल विद्यालंकार
2. स्वप्नवासवदत्तम् – (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) – जगन्नारायण पाण्डेय
3. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा
4. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. यशवन्त कुमार जोभा
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – हिन्दी अनुवाद – रामेश्वर भट्ट
6. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. य" ावन्त कुमार जोभा
7. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. सुभाष तनेजा वेदालंकार
8. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
9. नवनीत – संस्कृत शब्द – धातु रूपावली – राजाराम शास्त्री नाटेकर
10. वृहद्–अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल
11. संस्कृत में अनवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र
12. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन – मूल लेखक – वीएस. आप्टे
13. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
14. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी
15. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं0 भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
16. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. नेमीचन्द शास्त्री
17. संस्कृत वाक्य विवेक – डॉ. हिन्द केसरी, अजमेरा बुक कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।

Syllabus

Sunrise University
Approved by Govt. of Rajasthan vide Sunrise University Act, 2011
Recognized by UGC Act, 1956 u/s 2 (f)

2nd Semester

वैदिक साहित्य, गद्यसाहित्य, अनुवाद

1. वैदिक साहित्य (ऋग्वैदिक सूक्त)
2. वैदिक साहित्य (ईशावास्योपनिषद्)
3. गद्य साहित्य (शुकनासोपदेश)
4. समास प्रकरण, लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण)
5. व्याकरण– अनुवाद एवं कारक प्रकरण

1. वैदिक साहित्य

ऋग्वेद संहिता के निम्नलिखित सूक्त

1. अग्नि (1.1) 2. वरुण (1.25) 3. विष्णु (1.154) 4. इन्द्र (2.12)

5. विश्वदेवा (8.58) 6. पुरूष (10.90) 7. संज्ञान (10.191)

1. ऋग्वेद के दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या
2. ऋग्वेद के निर्धारित किसी एक सूक्त का संस्कृत में सार

ईशावास्योपनिषद् स दो मन्त्रों की सप्रसंग व्याख्या

2. गद्य साहित्य – शुकनासोपदेश

अ. शुकनासोपदेश स दो गद्यांशों को हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या

ब. शुकनासोपदेश के निर्धारित अंश से सामान्य प्रश्न

3. (अ) समास प्रकरण में से निर्धारित सूत्रों में से किन्हीं दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या।

1. सह सुपा 2. अव्ययं विभक्तिसमीपसमृद्धिव्यृद्ध्यर्थाभावात्ययासम्पतिशब्दप्रादुर्भावपश्चाद्यथानुपूर्व्य यौगपद्यसादृश्यसंपत्तिसाकल्यान्तवचनेषु 3. नदीभिश्च 4. द्वितीया श्रितातीतपतितगतात्यस्त–पाप्तापन्नैः 5. तृतीया तत्कृतार्थेन गुणवचनेन 6. चतुर्थी तदर्थार्थबलिहितसुखरक्षितैः 7. पंचमी भयेन 8. स्तोकान्तिकदूरार्थकृच्छ्राणि क्तन 9. षष्ठी 10. सप्तमी शौण्डैः 11. तत्पुरूषः समानाधिकरणः कर्मधारयः 12. संख्यापूर्वो द्विगुः 13. द्विगुरेकवचनम 14. स नपुंसकम् 15. विशेषणं विशेष्येण बहुलम 16. उपमानानि सामान्यवचनैः 17. नञ 18. अनेकमन्यपदार्थे 19. चार्थे द्वन्द्वः 20. पितामात्रा

समस्त प्रकरण में से दो समस्त पदों की सूत्रोल्लेख पूर्वक रूपसिद्धि

(ब) लघुसिद्धान्त कौमुदी (हलन्त प्रकरण) – 1. लिह् 2. विश्ववाह् 3. चतुर् (तीनों लिंगो में)

4. इदम् (तीनों लिंगों में) 5. राजन् 6. पञ्चन 7. अष्टन् 8. युष्मद् 9. अस्मद् 10. विद्वस्।

1. चार सूत्रों में से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या
2. सूत्रोल्लेखपूर्वक पाँच पदों की रूप सिद्धि

4. (अ) अनुवाद– संस्कृत के 10 अपठित वाक्यो का हिन्दी में अनुवाद

(ब) कारक प्रकरण में निम्नलिखित सूत्र पठनीय है–

1. प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा 2. कर्तुरीप्सिततमं कर्म 3. कर्मणि द्वितीया 4. तथायुक्तं चानीप्सितम 5. अकथितं च 6. अधिशीङ्स्थासां कर्म 7. उपान्वध्याङ्वसः 8. अभितः परितः समयानिकषाहाप्रतियोगेऽपि 9. अन्तरान्तरेण युक्ते 10. कालाध्वनोरत्यन्तसंयोगे 11. साधकतमं करणम् 12.कर्तृकरणयोस्तृतीया 13. अपवर्गे तृतीया 14. सहयुक्तेऽप्रधाने च 15.येनाङ्गविकारः 16.इत्थंभूतलक्षणे 17. कर्मणा यमभिप्रैति स सम्प्रदानम् 18. चतुर्थी सम्प्रदाने 19.रुच्यर्थानां प्रीयमाणः 20. धारेरुत्तमर्णः 21. स्पृहेरीप्सितः 22. क्रुधद्रुहेर्ष्यासूयार्थानां यं प्रति कोपः 23. नमः स्वस्तिस्वाहास्वधाऽलंवषड्योगाच्च 24. ध्रुवमपायेऽपादानम् 25.अपादाने पचमी 26. जुगुप्साविरामप्रमादार्थानामुपसंख्यानम् 27. भीत्रार्थानां भयहेतुः 28. पराजेरसोढ़ः 29. वारणार्थानामीप्सितः 30. आख्यातोपयोगे 31. भुवः प्रभवः 32. पृथग्विनानानाभिस्तृतीयाऽन्यतरस्याम् 33. दूरान्तिकार्थेभ्यो द्वितीया च 34. षष्ठी शेषे 35. षष्ठी हेतुप्रयोगे 36. चतुर्थी चाशिष्यायुष्यमद्रभद्रकुशलसुखार्थहितैः 37. आधारोऽधिकरणम् 38. सप्तम्यधिकरणे च 39. यस्य च

द्वितीय प्रश्न पत्र – काव्य, गद्य, व्याकरण एवं निबन्ध

1. इकाई प्रथम – महाकाव्य – किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग)
2. इकाई द्वितीय – गद्यकाव्य – विश्रुतचरितम्
3. इकाई तृतीय – नीतिकाव्य – नीतिशतकम्
4. इकाई चतुर्थ – व्याकरण – (तिङन्त एवं वाच्यपरिवर्तन)
5. इकाई पंचम – निबन्ध

निर्देश – खण्ड 'ब'

इकाई प्रथम– किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग) से दो श्लोको में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या।
इकाई द्वितीय– विश्रुतचरितम् से दो गद्यांशों में से एक गद्यांश की हिन्दी व्याख्या ।
इकाई तृतीय– नीतिशतकम् से दो श्लोकों में से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या ।
इकाई चतुर्थ– 10 वाक्यों में से पॉच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन ।
इकाई पंचम– संस्कृत निबन्ध रचना (जिनके विषय निम्न प्रकार है)
कालिदासः, बाणः, भारविः, भारतीय–संस्कृतः, संस्कृत–भाषायाः महत्त्व, परोपकारः, सत्संगतिः, परिश्रमः विद्यायाः महत्वम्, स्त्री–शिक्षा, पर्यावरणस्य महत्वम, पर्यावरणप्रदूषण समस्या समाधानं च, राष्ट्रनिर्माणे यूना योगदानम्, अभिनवजनसंचा

खण्ड 'स'

प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। लघु सिद्धान्त कौमुदी–तिङन्त पकरण
(भू, एध्, अद्, हु, दिव्, षुञ्, तुद्, रुध्, तन्, डुकृञ् एवं चुर् धातुओं की लट्, लृट्, लोट्, लङ् और विधिलिङ लकारों में रूप सिद्धि)
(अ) निर्धारित धातुओं के निर्धारित लकारों मे से चार धातु रूपों की रूप सिद्धि

(ब) पाठ्यकम में निर्धारित सूत्रा में से चार सूत्रों की व्याख्या
छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा।

सहायक पुस्तके –

1. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डा.विश्वनाथ शर्मा
2. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
3. किरातार्जुनीयम् (प्रथम सर्ग) – डॉ. राके" । भाास्त्री
4. विश्रुतचरितम – डॉ. विश्वनाथ भार्मा
5. नीतिशतकम् – डॉ. यभावन्त कुमार जोभाो
6. नीतिशतकम् – डॉ. राकेश " ाास्त्री
7. नीतिशतकम् – डॉ. रूपनारायण त्रिपाठी
8. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्कर दत्त भार्मा
9. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. बाबूराम त्रिपाठी
10. संस्कृत निबंध कलिका – प्रो. रामजी उपाध्याय
11. निबंध चतकम् – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
12. संस्कृत निबंध निकुंज – डॉ. वासुदेव कृष्ण चतुर्वेदी